राष्ट्रीय संकट प्रबंधन प्रतिक्रिया ढाँचे की आवश्यकता

प्रिलिम्स के लिये:

राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड, इज़रायल-फिलिस्तीन

मेन्स के लिये:

सुरक्षा चुनौतियाँ और उनका प्रबंधन, सुरक्षा बल तथा उनका अधिदेश, राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड

स्रोत: द हिंदू

चर्चा में क्यों?

हाल ही में इज़रायल में हुए हमले के मद्देनज़र भारत के **राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड** निदेशक ने चरम आतंकवादी **परिदृश्यों के लिये संकट प्रबंधन प्रतिक्रिया ढाँचे के निर्माण** के महत्त्व पर ज़ोर दिया है।

राष्ट्रीय संकट प्रबंधन प्रतिक्रिया ढाँचे की आवश्यकता:

- **अप्रत्याशित खतरों के लिये तैयारी:**
  - चरम आतंकवादी परिदृश्य अक्सर कम चेतावनी के साथ सामने आते हैं, जिसके लिये एक अच्छी तरह से परिभाषित तैयारी रणनीति की आवश्यकता होती है।
  - एक संकट प्रबंधन ढाँचा यह सुनिश्चित करता है कि अधिकारी **अप्रत्याशित सुरक्षा चुनौतियों** से निपटने के लिये सुसज्जित हैं।
    - **आतंकवाद का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने के लिये संघीय और राज्य** दोनों स्तरों पर विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय महत्त्वपूर्ण है।
  - यह ढाँचा संकट के दौरान सहयोग और संचार के लिये स्पष्ट प्रोटोकॉल स्थापित करेगा।
- **प्रभाव का शमन:**
  - तीव्र और अच्छी तरह से समन्वित प्रतिक्रियाएँ आतंकवादी घटनाओं के प्रभाव को काफी हद तक कम करने के साथ ही हताहतों की संख्या और क्षति में कमी ला सकती है।
  - एक संरचित संकट प्रबंधन ढाँचा शमन रणनीतियों को लेकर मार्गदर्शन प्रदान करता है।
- **महत्त्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे की सुरक्षा:**
  - आतंकवादी प्रायः राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालते हुए महत्त्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे को निशाना बनाते हैं।
    - रूपरेखा में संकट के दौरान **महत्त्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे की रक्षा** के उपायों को शामिल किया जाना चाहिये, अंततः चरम आतंकवादी परिदृश्यों का व्यापक रूप से शमन करके **राष्ट्रीय सुरक्षा** को बढ़ाया जाना चाहिये।
    - यह देश के सुरक्षा ढाँचे का एक महत्त्वपूर्ण घटक होगा, जो उभरते खतरों के प्रति प्रतिरोधक क्षमता सुनिश्चित करेगा।
- **आतंकवाद विरोधी क्षमताओं को बढ़ावा:**
  - यह रूपरेखा आतंकवाद विरोधी प्रयासों में शामिल **कर्मियों के लिये निरंतर प्रशिक्षण और कौशल विकास** को प्रोत्साहित करती है।
    - कौशल और क्षमताओं में निरंतर निवेश यह सुनिश्चित करता है कि प्रतिक्रियादाता अपनी कला में सबसे अग्रणी रहें।
  - ढाँचे **उन्नत प्रौद्योगिकी और उच्च कुशल कर्मियों** के बीच तालमेल सुनिश्चित करता हो। हालाँकि यह व्यक्तियों तथा हथियारों का संयोजन है जो तकनीकी प्रगति के बावजूद अंततः निर्णायक अंतर उत्पन्न करता है।
- **सीमा सुरक्षा चुनौतियाँ:**
  - दक्षिणी एशिया में अपने बड़े भूभाग एवं रणनीतिक स्थिति के कारण भारत को गंभीर सुरक्षा जोखिमों का सामना करना पड़ता है।
    - अपने विशाल **विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (EEZ)** तथा 7,683 किमी. लंबी तटरेखा के कारण भारत में उच्च **समुद्री सुरक्षा उपायों** की आवश्यकता है।
    - भारत **चीन तथा पाकिस्तान** के साथ चुनौतीपूर्ण सीमाओं सहित सात अन्य देशों के साथ **15,000 किमी.** से अधिक क्षेत्रफल की **भूमि सीमा** साझा करता है, इसलिये इसकी सुरक्षा हेतु प्रभावी सीमा प्रबंधन की मांग सर्वोपरि है।
    - प्रतिकूल/चुनौतीपूर्ण भूभाग तथा कमज़ोर सीमाएँ सुरक्षा प्रबंधन को और अधिक कठिन बना देते हैं। जिससे सीमा पार **आतंकवाद,**

आतंकवादी घुसपैठ तथा गैर-राजकीय कर्ताओं (Non-State Actors) के उदय की समस्या उत्पन्न हो सकती है।

- उपर्युक्त चुनौतियाँ एक व्यापक राष्ट्रीय संकट प्रबंधन प्रणाली की आवश्यकता को उजागर करती हैं।

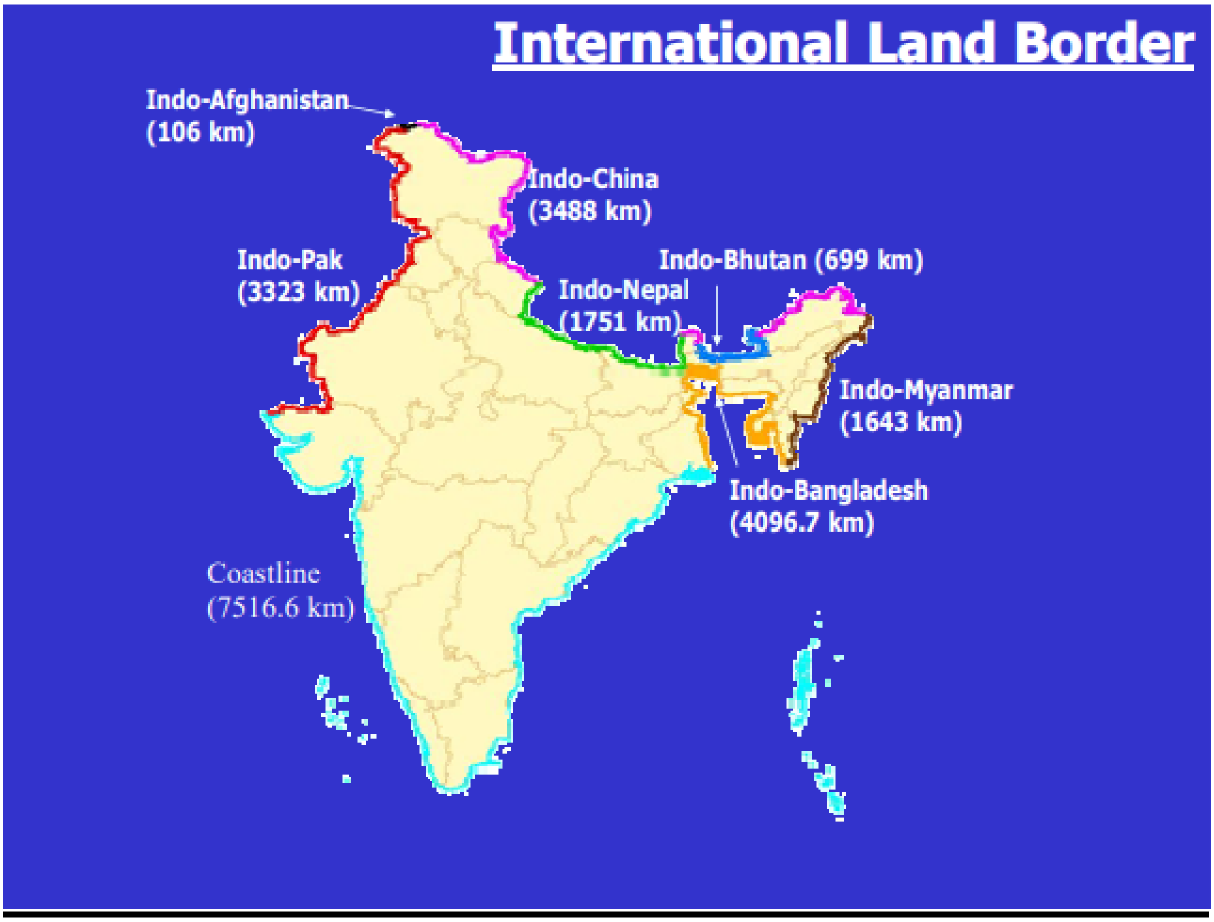

//

राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (NSG):

- **परिचय:**
  - NSG संघीय आकस्मिक तैनाती बल है जो अपहरण विरोधी ऑपरेशनों, बचाव संबंधी ऑपरेशनों तथा देश के विभिन्न हिस्सों में किसी भी रूप में घटित **आतंकवादी गतिविधियों से लड़ने के लिये** केंद्रीय अर्द्धसैनिक बलों को सहयोग करता है।
  - NSG को विशेष परिस्थितियों से निपटने के लिये विशेष रूप से सुसज्जित और प्रशिक्षित किया जाता है। अतः इसका उपयोग विशेष परिस्थितियों में ही किया जाता है।
  - NSG औपचारिक रूप से वर्ष **1986 में संसद के एक अधिनियम- 'राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड अधिनियम, 1986'** द्वारा अस्तित्व में आया।
- **विज़न:**
  - एक विश्व स्तरीय अति सक्षम बल का गठन।
- **मिशन:**
  - **"सर्वत्र सर्वोत्तम सुरक्षा"** के अपने आदर्श वाक्य के अनुरूप आतंकवाद का त्वरित व प्रभावी ढंग से मुकाबला करने में सक्षम एक विशेष बल को प्रशिक्षित करना, आवश्यक संसाधनों से संपन्न करना और हमेशा तैयार रखना।
- **कार्यप्रणाली:**
  - यह **गृह मंत्रालय** के अधीन कार्य करता है और एक कार्य-उन्मुख बल है जिसके दो पूरक तत्त्व हैं:
    - NSG का प्रमुख आक्रामक अथवा स्ट्राइक विंग, जिसे **विशेष कार्रवाई समूह** (SAG) कहा जाता है, में सेना के जवान शामिल होते हैं।
    - **विशेष रेंजर समूह** (SRG), इसमें केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों/राज्य पुलिस बलों से चुने गए कर्मी शामिल हैं। वे आमतौर पर VIPs की सुरक्षा का कार्यभार संभालते हैं।
    - **NSG के प्रमुख को महानिदेशक के रूप में नामित** किया जाता है, इसका चयन और नियुक्ति गृह मंत्री द्वारा की जाती है।
- **किये गए ऑपरेशन्स:**
  - **ऑपरेशन ब्लैक थंडर** (स्वर्ण मंदिर, अमृतसर, वर्ष 1986 और 1988)।
  - **ऑपरेशन अश्वमेध** (इंडियन एयरलाइंस फ्लाइट- IC427 हाईजैक मामला, भारत, वर्ष 1993)।
  - **ऑपरेशन थंडरबोल्ट या वज्र शक्ति** (अक्षरधाम मंदिर हमला, गुजरात, वर्ष 2002)।
  - **ऑपरेशन ब्लैक टॉरनेडो** (मुंबई ब्लास्ट, वर्ष 2008)।

    - ऑपरेशन धांगू सुरक्षा, पठानकोट, वर्ष 2016।
- **NSG मुख्यालय: मानेसर, गुरुग्राम।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/need-for-a-national-crisis-management-response-framework